SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 360 | कानपुर, रविवार 27 अगस्त-2023 | पृष्ठ -8

रक्षाबंधन के पूर्व महिलाओं को दिया राखी बनाने का प्रशिक्षण

नगर संवाददाता

कानपुर । रक्षाबन्धन भारतीय धर्म संस्कृति के अनुसार रक्षाबन्धन का त्योहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह त्योहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है।इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बन्धन बांधती है, जिसे राखी कहते हैं। बहनें बाजार से राखी खरीद कर बांधती हैं जो 10 रुपये से शुरू होकर 200-500 रुपये तक की होती हैं। अगर एक घर में 2 राखी भी खरीदा जाए तो कम से कम 25-30 रुपये का खर्च होता है जबकि अगर हम 25-30 रुपये का समान लगाएं तो कम से कम 20 राखी घर पर ही बना लेंगे इसी विचार पर गांव का पैसा गांव में और घर का पैसा घर में को सार्थक करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा ग्राम रुदापुर विकासखंड मैथा में गृह वैज्ञानिक डॉ तीन दिवसीय निमिषा अवस्थी ने राखी बनाने का प्रशिक्षण का आयोजन किया डॉ अवस्थी ने रेशम, कलावा मैक्रम के धागो से राखी बनाना सिखाया। डॉ अवस्थी ने राखी में मोती मूंगा

लगाने के साथ सब्जी के बीजो का प्रयोग कर राखी बनवाई। डॉ निमिषा ने कहा की राखी सिर्फ एक दिन बंधती है और फिर इधर उधर पड़ जाती है जिससे उसमें लगे प्लास्टिक के मूंगा मोती नालियों में जाकर प्रदूषण बढ़ाते है, और सब्जियों के बीज भी रंगीन और सुंदर होते है तो अगर हम मूंगा मोती की जगह बीजों का प्रयोग करते हैं तो यह हरियाली बढ़ाने का कार्य करेंगे। प्रशिक्षण में चन्द्रकांती, उषा, शिवकन्या समेत कुल 35 महिलाओं ने प्रतिभाग किया. कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र में संचालित निकरा परियोजना के शोध सहायक श्री शुभम यादव भी उपस्थित रहे ।

कंटेनर में पीछे से ट्रक घुसा, चालक और खलासी केबिन में फंसे

इटावा ।इटावा जिले में आगरा-कानपुर नेशनल हाईवे पर सराय जलाल ओवरब्रिज के ऊपर ट्रक की टक्कर से कंटेनर पलटकर बीच डिवाइडर पर गिर गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और केबिन में चालक और खलासी बुरी तरह से फंस गए।पुलिस और स्थानीय लोगों कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला। हादसे के दौरान इटावा से कानपुर लेन करीब दो घंटे बाधित रही। शनिवार सुबह करीब पांच बजे लोहे के पाइप लादकर अलीगढ़ से कानपुर जा रहा ट्रक सराय जलाल ओवरब्रिज के ऊपर आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से घुस गया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 59 कानपुर, रविवार 27 अगस्त 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in

नंबर चार के लिए बिल्कुल सही हैं विराट : डिविलियर्स 10

रक्षाबंधन के पूर्व महिलाओं को दिया राखी बनाने का प्रशिक्षण

कानपुर । रक्षाबन्धन भारतीय धर्म संस्कृति के अनुसार रक्षाबन्धन का त्योहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह त्योहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बन्धन बांधती है, जिसे राखी कहते हैं। बहनें बाजार से राखी खरीद कर बांधती हैं जो 10 रुपये से शुरू होकर 200-500 रुपये तक की होती हैं। अगर एक घर में 2 राखी भी खरीदा जाए तो कम से कम 25-30 रुपये का खर्च होता है जबकि अगर हम 25-30 रुपये का समान लगाएं तो कम से कम 20 राखी घर पर ही बना लेंगे इसी विचार पर गांव का पैसा गांव में और घर का पैसा घर में को सार्थक करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा ग्राम रुदापुर विकासखंड मैथा में गृह वैज्ञानिक डॉ तीन दिवसीय निमिषा अवस्थी ने राखी बनाने का प्रशिक्षण का आयोजन किया डॉ अवस्थी ने रेशम, कलावा मैक्रम के धागो से राखी बनाना सिखाया। डॉ अवस्थी ने राखी में मोती मूंगा लगाने के साथ सब्जी के बीजो का प्रयोग कर राखी बनवाई। डॉ निमिषा ने कहा की राखी सिर्फ एक दिन बंधती है और फिर इधर उधर पड़ जाती है जिससे उसमें लगे प्लास्टिक के मूंगा मोती नालियों में जाकर प्रदूषण बढ़ाते है, और सब्जियों के बीज भी रंगीन और सुंदर होते है तो अगर हम मूंगा मोती की जगह बीजों का प्रयोग करते हैं तो यह हरियाली बढ़ाने का कार्य करेंगे।

अंक-171 कानपुर, रविवार 27 अगस्त 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

रक्षाबंधन के पूर्व महिलाओं को दिया राखी बनाने का प्रशिक्षण

आज का कानपुर

कानपुर । रक्षाबंधन भारतीय धर्म संस्कृति के अनुसार रक्षाबंधन का त्योहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है यह त्योहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बन्धन बांधती है जिसे राखी कहते हैं बहनें बाजार से राखी खरीद कर बांधती हैं जो 10 रुपये से शुरू होकर 200-500 रुपये तक की होती हैं अगर एक घर में 2 राखी भी खरीदा जाए तो कम से कम 25-30 रुपये का खर्च होता है जबकि अगर हम 25-30 रुपये का समान लगाएं तो कम से कम 20 राखी घर पर ही बना लेंगे इसी विचार पर गांव का पैसा गांव में और घर का पैसा घर में को सार्थक करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा ग्राम रुदापुर विकासखंड मैथा में गृह वैज्ञानिक डॉ तीन दिवसीय निमिषा अवस्थी ने राखी बनाने का प्रशिक्षण का आयोजन किया डॉ अवस्थी ने रेशम, कलावा मैक्रम के धागो से राखी बनाना सिखाया डॉ अवस्थी ने राखी में मोती मूंगा लगाने के साथ सब्जी के बीजों का प्रयोग कर राखी बनवाई डॉ निमिषा ने कहा की राखी सिर्फ एक दिन बंधती है और फिर इधर उधर पड़ जाती है जिससे उसमें लगे प्लास्टिक के मूंगा मोती नालियों में जाकर प्रदूषण बढ़ाते है, और सब्जियों के बीज भी रंगीन और सुंदर होते है तो अगर हम मूंगा मोती की जगह बीजों का प्रयोग करते हैं तो यह हरियाली बढ़ाने का कार्य करेंगे प्रशिक्षण में चन्द्रकांती, उषा, शिवकन्या समेत कुल 35 महिलाओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र में संचालित निकरा परियोजना के शोध सहायक श्री शुभम यादव भी उपस्थित रहे ।

किशोरी

आज का कानपुर

कानपुर । पनकी थाना क्षेत्र में युवक ने धर्म परिवर्तन का दबा काम करने वाले युवक से दोस्ती विरोध करने पर राहुल ने शादी धर्मांतरण का दबाव बनाने लगा

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

jksingh.hardoi@gmail.com
9956834016

Sunday 27th August 2023

website: satyakaasar.com

रक्षाबंधन त्यौहार के पूर्व महिलाओं को दिया गया राखी बनाने का प्रशिक्षण

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

कानपुर रक्षाबन्धन भारतीय धर्म संस्कृति के अनुसार रक्षाबन्धन का त्योहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह त्योहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बन्धन बांधती है, जिसे राखी कहते हैं। बहनें बाजार से राखी खरीद कर बांधती हैं जो 10 रुपये से शुरू होकर 200-500 रुपये तक की होती हैं। अगर एक घर में 2 राखी भी खरीदा जाए तो कम से कम 25-30 रुपये का खर्च होता है जबकि अगर हम 25-30 रुपये का समान लगाएं तो कम से कम 20 राखी घर पर ही बना लेंगे इसी विचार पर गांव का पैसा गांव में और घर का पैसा घर में को सार्थक करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा ग्राम रुदापुर विकासखंड मैथा में गृह वैज्ञानिक डॉ तीन दिवसीय निमिषा अवस्थी ने राखी बनाने का प्रशिक्षण का आयोजन किया डॉ अवस्थी ने रेशम, कलावा मैक्रम के धागो से राखी बनाना सिखाया। डॉ अवस्थी ने राखी में मोती मूंगा लगाने के साथ सब्जी के बीजो का प्रयोग कर राखी बनवाई। डॉ निमिषा ने कहा की राखी सिर्फ एक दिन बंधती है और फिर इधर उधर पड़ जाती है जिससे उसमें लगे प्लास्टिक के मूंगा मोती नालियों में जाकर प्रदूषण बढ़ाते है, और सब्जियों के बीज भी रंगीन और सुंदर होते है तो अगर हम मूंगा मोती की जगह बीजों का प्रयोग करते हैं तो यह हरियाली बढ़ाने का कार्य करेंगे। प्रशिक्षण में चन्द्रकांती, उषा, शिवकन्या समेत कुल 35 महिलाओं ने प्रतिभाग किया. कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र में संचालित निकरा परियोजना के शोध सहायक श्री शुभम यादव भी उपस्थित रहे ।

Sign in to edit and save changes to this file.

रक्षाबंधन त्यौहार के पूर्व महिलाओं को दिया गया राखी बनाने का प्रशिक्षण

कानपुर, 26 अगस्त। रक्षाबन्धन भारतीय धर्म संस्कृति के अनुसार रक्षाबन्धन का त्योहार श्रावण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। यह त्योहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर टीका लगाकर रक्षा का बन्धन बांधती है, जिसे राखी कहते हैं। बहनें बाजार से राखी खरीद कर बांधती हैं जो 10 रुपये से शुरू होकर 200-500 रुपये तक की होती हैं। अगर एक घर में 2 राखी भी खरीदा जाए तो कम से कम 25-30 रुपये का खर्च होता है जबकि अगर हम 25-30 रुपये का समान लगाएं तो कम से कम 20 राखी घर पर ही बना लेंगे इसी विचार पर गांव का पैसा गांव में और घर का पैसा घर में को सार्थक करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा ग्राम रुदापुर विकासखंड मैथा में गृह वैज्ञानिक डॉ तीन दिवसीय निमिषा अवस्थी ने राखी बनाने का प्रशिक्षण का आयोजन किया डॉ अवस्थी ने रेशम, कलावा मैक्रम के धागो से राखी बनाना सिखाया।